मंगलवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

23 दिसम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 319
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऑडियो बम फूटा

❑अंकिता मर्डर केस में नया मोड़, भाजपा के बड़े चेहरे पर सवाल

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। बहु चर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस में आज उस समय एक नया मोड़ आ गया जब देश की राजधानी दिल्ली में उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने राष्ट्रीय मीडिया के सामने एक भाजपा नेता की पत्नी का ऑडियो प्ले करते हुए उस नाम से पर्दा हटा दिया गया जिसकी चर्चाएं तो पहले ही दिन से आम थी लेकिन साक्ष्यो के अभाव में उस वीआईपी व्यक्ति का नाम उजागर नहीं हो सका था जिसे स्पेशल सर्विस देने के लिए अंकिता भंडारी पर दबाव बनाया गया था और तैयार न होने पर अंकिता की हत्या की गई थी।

इस ऑडियो की चर्चा हालांकि बीते दो दिनों से हो रही थी जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी किसी गट्टू भाई जो उनका मुंह बोला भाई है तथा उसे वह राखी भी बांधती थी उनके पति द्वारा ही उन्हें उसके बारे में बताया जा रहा है वह वीआईपी कोई और नहीं बीजेपी के एक बड़ा नेता ही था जो अभी उत्तराखंड में भाजपा के संगठन से जुड़ा है। इस मामले के खुलासे से आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदयाल ने दिल्ली में पत्रकार वार्ता करते हुए भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अल्टीमेटम दिया है कि अगर चार-पांच जनवरी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाती है तथा इस अति संवेदनशील मामले की जांच किसी सुप्रीम कोर्ट के जज की अध्यक्षता में सीबीआई से नहीं कराई जाती है तो फिर राज्य की बेटियों की अस्मिता की इस लड़ाई को लड़ने के लिए कांग्रेस किसी भी हद तक जाएगी।

❑गोदियाल ने दिल्ली में पत्रकार वार्ता कर दी चुनौती
❑कार्यवाही नहीं की तो होगी आर-पार की लड़ाई

उल्लेखनीय है कि ऋषिकेश स्थित वन्तरा रिजार्ट जो कि एक भाजपा नेता का ही है अंकिता इसमें रिसेप्शनिस्ट के पद पर कार्यरत थी, जिसकी हत्या कर उसका शव चीला नहर में फेंक दिया गया था। इस मामले का खुलासा अंकिता के मित्र द्वारा इस घटना से पूर्व की गई चैट के आधार पर हो सका था। जिसमें भाजपा पुत्र सहित तीन लोग अभी भी जेल में है। इस मामले की सबसे अहम गुत्थी यही थी कि वह वीआईपी कौन था जिसको स्पेशल सर्विस देने का दबाव अंकिता पर बनाया गया था। भाजपा नेत्री रेनू बिष्ट द्वारा घटना के खुलासे के समय ही उस कमरे को तोड़ दिया गया था जिसमें अंकिता रहती थी यह साक्ष्य मिटाने के लिए ही तोड़ा गया था। जिसका आरोप भी गोदियाल ने पत्रकार वार्ता में लगाया है। उन्होंने भाजपा नेताओं की बेटियों को लेकर जो नजरिया है उस पर बहुत कुछ कहा गया है।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुरेंद्र शर्मा और सह प्रभारी मनोज यादव भी उनके साथ थे। इस खुलासे से एक बार फिर सूबे की राजनीति में भूचाल आना तय माना जा रहा है क्योंकि यह मुद्दा प्रदेश की महिलाओं व बेटियों की अस्मत से जुड़ा हुआ है और सुरक्षा का मुद्दा है। गणेश गोदियाल ने पीएम मोदी से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मनरेगा मजदूर निकला विधायक

जिस भ्रष्टाचार की बीमारी के उपचार के लिए अन्ना हजारे जैसे समाजसेवियों ने अपनी जान की बाजी लगा दी उस देश में इस वक्त जब नरेंद्र मोदी की वह सरकार है जो बीते 11 सालों से सत्ता में है जिनका दावा था कि न खाऊंगा न खाने दूंगा अगर दिल्ली के रक्षा मंत्रालय में तैनात एक लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक शर्मा को रंगे हाथों लाखों की रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता है तथा जब सीबीआई उसके ठिकानों पर छापेमारी करती है तो उसके घर से 2 करोड़ 26 लाख रुपए की नगदी बरामद होती है। जो इस देश की सुरक्षा से खिलवाड़ का एक जीता जागता सबूत तो है ही साथ ही यह उस सेना की वर्दी पर लगा एक ऐसा दाग है जो किसी डिटर्जेंट पाउडर से साफ नहीं किया जा सकता। जो व्यक्ति दिल्ली के शास्त्री भवन रक्षा मंत्रालय में बैठा हों और जिसके पास देश के रक्षा सौदों का क्लीयरेंस देने की ताकत हो उसके ओहदे की अहमियत आसानी से समझी जा सकती है यही से करोड़ और अरबो के रक्षा सौदे होते हैं। सवाल यह है क्या कोई एक व्यक्ति इतने बड़े कारनामे को अंजाम दे सकता है इसका जवाब एकदम साफ है कि बिना शासन-प्रशासन की मिली भगत के कोई इतना सब करने का साहस नहीं कर सकता है अब इसके पूरे रैकेट की छानबीन सीबीआई कर रही है लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बड़े मुद्दे पर खामोशी ओढ़ रखी है। अभी बीते दिनों पीएमओ के तीन अधिकारियों ने अचानक जब अपने पदों से इस्तीफे दिए तो उनकी पृष्ठभूमि में भी भ्रष्टाचार का मुद्दा ही चर्चाओं के केंद्र में रहा था। इससे पूर्व दिल्ली में एक अन्य हाई प्रोफाइल मामले में जस्टिस वर्मा के आवास पर हुई आगजनी की वह घटना भी आपको याद होगी जिसमें करोड़ों की नगदी जलकर राख हो गई थी। इस खबर को कैसे छुपाने का प्रयास किया गया और इसकी आंच संसद भवन तक भी राज्यसभा के स्पीकर धनखड़ के इस्तीफे तक पहुंची थी। जस्टिस वर्मा जो कि अभी तक इस पैसे के अपना न होने की बात कर रहे हैं क्या कभी इस बात का पता चल सकेगा कि यह पैसा किसका था किसने इसे जस्टिस वर्मा के आवास तक पहुंचाया? शायद यह राज हमेशा एक राज ही बना रहेगा। मोदी सरकार के इस कार्यकाल के जो भ्रष्टाचार के कारनामे है उनका कच्चा चिट्ठा सत्ता परिवर्तन के बाद ही सामने आएगा। अब थोड़ी सी बात भाजपा शासित उत्तराखंड राज्य की भी कर ली जाए जहां आय से अधिक संपत्तियां अर्जित करने के तमाम मामलों में धामी सरकार ने चुप्पी साथ रखी है वहां अब एक भाजपा विधायक दुर्गेश लाल का नाम सुर्खियों में है। पुरोला से पहली बार विधायक चुनकर आए इन विधायक महोदय द्वारा मनरेगा मजदूरों में अपना और अपनी धर्मपत्नी का नाम दर्ज करा कर मजदूरों के हक पर ही डाका डाला जा रहा था। मनरेगा मजदूरी की किश्तें उनके खातों में आ रही थी और अब खुलासा होने पर वह इसे अपने खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र का नाम दे रहे हैं। विधायक जैसे किसी सम्माननीय पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इतने निम्न स्तर की हरकत की शायद कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। मगर इससे भी हास्यास्पद बात यह है कि भाजपा नेताओं का उनके बचाव में उतरना। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली भाजपा और सीएम धामी क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने का साहस दिखाएंगे अपने आप को राष्ट्रवादी और चाल चरित्र तथा अनुशासित बताने वाली भाजपा का अब पूरा सच इस देश और प्रदेश की जनता के सामने आ चुका है। देखना यह है कि भाजपा के अंधभक्त कब तक उनकी जय-जय कार के नारे लगाते रहेंगे और इन्हें सत्ता सौंपते रहेंगे।

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्डः वीआईपी का नाम उजागर होने पर कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड में वीआईपी का नाम उजागर होने के बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

आज यहां उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा विधायक सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर द्वारा हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम दुष्यंत गौतम उर्फ गट्टू के रूप में उजागर किये जाने एवं भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ द्वारा हत्याकांड में उपयोग किये गये वनन्तरा रिसार्ट पर स्थानीय विधायक रेणु नेगी के इशारे पर बुल्डोजर की कार्रवाई किये जाने के खुलासे के बाद आज प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। ज्योति रौतेला ने कहा कि भाजपा विधायक सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर द्वारा हत्याकांड में शामिल वीआईपी का नाम दुष्यंत गौतम के रूप में उजागर किये जाने एवं भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ द्वारा हत्याकांड में प्रयोग किये गये वनन्तरा रिसार्ट पर स्थानीय विधायक रेणु नेगी के इशारे पर बुलडोजर की कार्रवाई किये जाने के खुलासे ने साबित कर दिया है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा के राज्य नेतृत्व के साथ-साथ शीर्ष नेतृत्व भी शामिल है तथा राज्य में भाजपा के पदाधिकारी और नेता सभी जनहित के कार्य करने की बजाय दुष्कर्मों में लिप्त है। ज्योति रौतेला ने कहा कि अंकिता भण्डारी हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा करने में जहां राज्य की पुलिस नाकाम रही तथा पुलिस द्वारा मामले को उलझाने के लिए कमरे का नाम वीआईपी बताया जा रहा था अब पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी उर्मिला सनावर और भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड के बयानों ने साबित कर दिया है कि राज्य की पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए था कि अंकिता भण्डारी द्वारा अपने वाट्सअप चैट में गेस्ट हाउस में आने वाले वीआईपी को अतिरिक्त सुविधाएं देने की बात कही गई थी या वीआईपी कमरे की बात की गई थी। पुलिस को यह भी साबित करना चाहिए कि भाजपा विधायक की पत्नी द्वारा बताये गये गट्टू नामक भाजपा नेता के पीछे का चेहरा कौन है? प्रदेश महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि राज्य के सबसे जघन्य अंकिता भंडारी हत्याकांड मे सरकार और पुलिस के संरक्षण में भाजपा नेता के रिसोर्ट पर स्थानीय विधायक रेणु नेगी द्वारा आनन-फानन में बुलडोजर चलवाकर सारे साक्ष्य मिटा दिए गए। पुलिस के ट्विटर हैंडल से स्वीकारोक्ति को क्यों डिलीट कर दिया गया। वर्तमान पुलिस महानिदेशक को यह भी बताना चाहिए कि तत्कालीन पुलिस महानिदेशक एवं अंकिता भण्डारी के पिता के बीच दूरभाष पर हुई बातचीत को सोशल मीडिया में जानबूझ कर क्यों वायरल किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक जैसे पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा जानबूझकर बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल कर निजता के अधिकार का भी उल्लंघन किया गया। पुलिस महानिदेशक को पहले इन सवालों के जवाब देने चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की पुलिस ने भाजपा सरकार के दबाव में जितनी तत्परता रिसोर्ट पर बुल्डोजर चलाने में दिखाई उतनी तत्परता दोषियों को पकड़ने में दिखाई होती तो पीडिता के माता पिता को न्याय के लिए धूप-सर्दी में दर-दर भटकना नहीं पडता। ज्योति रौतेला ने कहा कि विधायक की पत्नी द्वारा जिस प्रकार भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी दुष्यन्त गौतम उर्फ गट्टू के

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ को साहसिक बचाव कार्यों के लिए किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। आपदा प्रबंधन और जटिल बचाव अभियानों में असाधारण सेवा के लिए अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ उत्तराखंड पुलिस को विशेष स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

आज यहां उत्तराखंड पुलिस की राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) इकाई ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता का प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। आपदा प्रबंधन और जटिल बचाव अभियानों में असाधारण सेवा के लिए अमेरिकी दूतावास ने एसडीआरएफ उत्तराखंड पुलिस को विशेष स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

यह सम्मान विशेष रूप से उन साहसिक, त्वरित और मानवीय बचाव अभियानों के लिए दिया गया, जिनके तहत उत्तराखंड में पर्यटन के दौरान कठिन एवं विषम परिस्थितियों में फंसे अमेरिकी पर्यटकों सहित अन्य विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। एसडीआरएफ सेनानायक अर्पण यदुवंशी के कुशल एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में, बल ने कई दुर्गम और चुनौतीपूर्ण अभियानों का सफलतापूर्वक संचालन किया। इनमें चमोली जनपद के माउंट चौखंबा में फंसी दो विदेशी महिला ट्रैकर्स, बद्रीनाथ क्षेत्रान्तर्गत वसुधारा में फंसे विदेशी ट्रैकर्स, तथा गंगोत्री जैसे उच्च हिमालयी क्षेत्रों में चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन शामिल हैं। सेनानायक यदुवंशी के प्रभावी समन्वय और मार्गदर्शन के कारण ये सभी ऑपरेशन सुरक्षित, सुनियोजित और समयबद्ध तरीके से संपन्न हुए। अमेरिकी दूतावास द्वारा प्रदान किए गए स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र को सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने ग्रहण किया। यह सम्मान एसडीआरएफ उत्तराखंड पुलिस के समस्त जांबाज कार्मिकों की निष्ठा, परिश्रम, समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में 'सेवा, सुरक्षा और समर्पण' के संकल्प के साथ जनसेवा में निरंतर तत्पर रहते हैं। भौगोलिक रूप से संवेदनशील उत्तराखंड राज्य में, एसडीआरएफ ने पर्वतीय क्षेत्रों, ग्लेशियरों, नदियों और ट्रेकिंग रूट्स पर फंसे देश-विदेश के पर्यटकों के लिए त्वरित निर्णय क्षमता, सटीक रणनीति और संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से अनेक जीवन रक्षक कार्य किए हैं। प्रतिकूल मौसम और अत्यंत कठिन परिस्थितियों के बावजूद, एसडीआरएफ कार्मिकों ने अदम्य साहस, अनुशासन एवं उत्कृष्ट टीम भावना का परिचय दिया है।

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान न केवल एसडीआरएफ उत्तराखंड पुलिस की कार्यकुशलता एवं विश्वसनीयता को दर्शाता है, बल्कि बल की सुदृढ़, मानवीय एवं पेशेवर पहचान को वैश्विक मंच पर और अधिक सशक्त करता है। यह उपलब्धि भविष्य में बल के मनोबल को नई ऊर्जा प्रदान करेगी और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में और भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी।

बस की चपेट में आकर राहगीर हुआ घायल

संवाददाता

देहरादून। बस की चपेट में आकर पैदल चल रहा व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल की बेटी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्रावाला निवासी सुष्मिता राणा ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता प्रताप सिंह राणा पैदल घर की तरफ आ रहे थे जब वह नकरौदा चौक के पास पहुंचे तभी तेज गति से आ रही बस ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने उनको अस्पताल में भर्ती कराया। बस चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दिनदहाडे महिला का पर्स लूटा

संवाददाता

देहरादून। बदमाशों ने दिनदहाडे महिला का हजारों रूपये से भरा पर्स लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी स्मृति रायपा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से घंटाघर आयी थी जब वह बंगाली स्वीट के पास पहुंची तभी पीछे से एक युवक उसके पास आया और उसके हाथ पर झपटा मारकर उसक पर्स लूटकर भाग गया। पर्स में 23 हजार रूपये नगदी, एटीएम कार्ड व पूजा की सामग्री रखी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्रिसमस के जश्न के दौरान महिलाएं पहन सकती हैं ये लाल आउटफिट, लगेंगी सबसे सुंदर

दिसंबर शुरू होते ही लोग क्रिसमस का इंतजार करते हैं, जो 25 तारीख को पड़ता है। इस खास पर्व पर पूरी दुनिया रौशनी से जगमगा उठती है और हर तरफ क्रिसमस ट्री सजी नजर आती हैं। महिलाओं के लिए यह सजने-संवरने का शानदार मौका भी होता है। इस त्योहार पर लाल कपड़े पहनने का चलन रहता है। आज के फैशन टिप्स में हम आपको क्रिसमस के लिए 5 ट्रेंडी लाल आउटफिट बताएंगे, जिनमें आप सबसे सुंदर दिखेंगी।

लाल स्वेटर के साथ स्कर्ट

क्रिसमस पर स्वेटर पहनने की परंपरा होती है, जिसका फायदा उठाते हुए आप शानदार आउटफिट बना सकती हैं। आप लाल रंग का स्वेटर चुन सकती हैं, जो या तो क्रॉप हो या आपके साइज से थोड़ा बड़ा हो। इसके साथ काले रंग की मिनी स्कर्ट पहनें, जो या तो फिटिंग की हो या फिर टेनिस स्कर्ट हो। इसके साथ फ्लीस लेगिंग पहनें, जो पैरों को गर्म रखेंगी। लुक को पूरा करने के लिए लाल या काले लंबे बूट्स पहन लें।

लाल मिनी ड्रेस

क्रिसमस जैसे खास त्योहार पर मिनी ड्रेस पहनना तो बनता है। अगर वह लाल रंग की हो तब तो आप आकर्षण का केंद्र बन जाएंगी। अपने लिए फ्रॉक जैसी लाल मिनी ड्रेस खरीदें, जिसकी बाजू रिब्बन वाली हों या फिर प्रिंसेस जैसी हों। इसके साथ बालों का मेसी जूड़ा बनाएं और गले में पेंडेंट वाला हार पहन लें। इस लुक के साथ आपको हील वाली सैंडल पहननी चाहिए, जो लंबाई बढ़ाएंगी और शानदार भी दिखेंगी।

लाल मिडी ड्रेस

अगर आप क्रिसमस पर रात के वक्त किसी पार्टी में जाने वाली हैं तो लाल रंग की मैक्सी या मिडी ड्रेस चुनें। ड्रेस की लंबाई घुटनों से नीचे तक हो तो आप बेहद एलिगेंट लगेंगी। आप वेलवेट, सैटिन या फिर किसी शाही दिखने वाले कपड़े की ड्रेस चुन सकती हैं। इसके साथ काले रंग की स्टॉकिंग पहन लें और बेज या काले रंग की हील कैरी करें। लुक को निखारने के लिए गोल्डन या सिल्वर गहनें पहनना न भूलें।

लाल प्लेड स्कर्ट के साथ कार्डिगन

क्रिसमस के दौरान प्लेड प्रिंट वाले कपड़े बहुत चलन में रहते हैं। आप इस ट्रेंड को अपनाते हुए इस मौके पर प्लेड प्रिंट वाली स्कर्ट पहन सकती हैं। इसके ऊपर सफेद या किसी हल्के रंग वाला कार्डिगन कैरी करें, जो आपकी फिटिंग का हो। ऊपर से लाल रंग का मोटा स्कार्फ पहनें और पैरों में लाल रंग की स्टॉकिंग पहन लें। इसके साथ आप अपनी पसंद के बूट्स स्टाइल कर सकती हैं।

ग्रे स्वेटर ड्रेस के साथ लाल एक्सेसरीज

अगर आप पूरा आउटफिट लाल नहीं रखना चाहती हैं तो ग्रे रंग की स्वेटर ड्रेस चुनें। ऐसी स्वेटर ड्रेस चुनें, जिसकी नेकलाइन ऑफ शोल्डर हो। इसके साथ पैरों में लाल रंग की स्टॉकिंग पहनें और लाल सैंडल ही कैरी करें। लाल रंग का स्पर्श बढ़ाने के लिए आप लाल शोल्डर बैग टांग सकती हैं और लाल रंग की इयररिंग पहन सकती हैं। इससे पूरा लुक संतुलित लगेगा और क्रिसमस का सार भी बखूबी व्यक्त होगा।(आरएनएस)

कितनी देर तक चबानी चाहिए च्युइंग गम? साइंस ने खोजा टाइमिंग का फॉर्मूला!

च्युइंग गम कइयों के लिए टाइम पास है, तो कुछ इसे माउथ फ्रेशनर के तौर पर यूज करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि च्युइंग गम कितनी देर तक चबाना सही होता है? नीदरलैंड्स की यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रॉनिंगन के कुछ शोधार्थियों ने कुछ साल पहले एक रोचक रिसर्च की। टीम ने पाया कि च्युइंग गम सिर्फ मुंह का स्वाद बदलने या बोरियत भगाने की चीज नहीं, बल्कि मुंह की सफाई में भी मददगार हो सकती है, बशर्ते टाइमिंग का ख्याल रखा जाए यानी इसे सही समय तक चबाया जाए। इस अध्ययन में 5 अलग-अलग ब्रांड्स की गम्स को 10 मिनट और 30 मिनट तक चबाकर जांचा गया। पता चला कि 10 मिनट तक चबाने से मुंह से करीब 100 मिलियन बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं! लेकिन चौंकाने वाली बात ये थी कि 30 मिनट के बाद चबाने पर इसका असर कम होने लगा।

चलिए जानते हैं कि आखिर जब आप च्युइंग गम चबाते हैं तो होता क्या है? तो वैज्ञानिकों के मुताबिक स्लाइवा या लार का प्रवाह बढ़ता है जो गम में मिलकर बैक्टीरिया और डेड सेल्स को सोख लेता है। शुरुआत में जब गम सबसे ज्यादा एक्टिव होता है तो स्पंज की तरह बैक्टीरिया खींचता है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है गम की बैक्टीरिया पकड़ने की ताकत घटने लगती है। इसलिए 10 मिनट तक चबाना मुंह के लिए अच्छा होता है।

एक और स्टडी है अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन की। जो कहती है कि शुगर फ्री च्युइंग गम को 20 मिनट तक चबाना चाहिए और ये दांतों को साफ रखने में मदद करता है। लेकिन अकसर देखा जाता है कि स्वाद या बस यूं ही चबाने वाले समय का ध्यान ही नहीं रखते और देर तक गम चबाते हैं। ये जबड़ों पर जोर डाल सकता है, खासकर अगर टीएमजे यानी जॉ ज्वाइंट समस्या हो तो। दोनों स्टडी का लबोलुआब ये है कि किसी भी च्युइंग गम को चबाने का सही समय 10 से 20 मिनट के बीच का होता है। इससे माउथ हाइजीन, लार प्रवाह और सांस की ताजगी बनी रहती है। और अगर समय की इस पाबंदी को दरकिनार किया तो तय है कि ये बेअसर होगा और कुछ मामलों में तो जबड़ों को नुकसान भी पहुंचा सकता है। (आरएनएस)

एक्सर्साइज या वर्कआउट से पहले क्या खाएं, क्या नहीं

खाली पेट एक्सर्साइज या वर्कआउट करना हेल्दी नहीं माना जाता। हालांकि इसे लेकर कई स्टडी आईं। किसी में कहा गया कि खाली पेट एक्सर्साइज हेल्दी है तो किसी में इसके नुकसान गिनाए गए। अब अगर खाकर एक्सर्साइज करना जरूरी माना जाता है, तो फिर यह जरूर पता होना चाहिए कि एक्सर्साइज या वर्कआउट से पहले क्या खाएं और क्या नहीं। कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें वर्कआउट से पहले बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। यहां ऐसी ही चीजों के बारे में बताया जा रहा है:

ऐवकाडो

ऐवकाडो सेहत के लिहाज से अच्छे माने जाते हैं। लेकिन वर्कआउट से पहले खाना थोड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल ऐवकाडो में फैट और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इस वजह से ऐवकाडो को पचने में काफी वक्त लगता है। इसे खाकर एक्सर्साइज करने से पेट में ऐंठन और दर्द हो सकता है।

नमक वाली चीजें

एक्सर्साइज करने से पहले नमक वाली चीजें न खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि इनसे डिहाईड्रेशन हो सकता है, जो बाद में सिरदर्द और पेट में ऐंठन का कारण बन सकता है। अगर फिर भी नमक वाली कोई चीज खाई है साथ में पहले ही 2-3 गिलास पानी पी लें।

रिफाइन्ड शुगर और स्वीट बेवेरज

रिफाइन्ड शुगर और स्वीट बेवरेज भी वर्कआउट से पहले नहीं लेने चाहिए। इनकी वजह से शरीर में आलस आने लगता है और थकान महसूस होती है। ऐसी स्थिति में वर्कआउट या कुछ भी काम करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है।

स्पाइसी और तला-भुना

वर्कआउट करने से पहले स्पाइसी और तला-भुना खाने से भी बचना चाहिए। इन चीजों की वजह से सीने में जलन के साथ-साथ दर्द भी हो सकता है, जो आपके वर्कआउट को और भी मुश्किल बना सकता है। इसके अलावा क्रीम या चीज़ वाले प्रॉडक्ट्स भी खाने से बचें क्योंकि ये पचने में काफी लंबा वक्त लेते हैं और आपके वर्कआउट प्लान को खराब कर सकते हैं।

बीन्स और ब्रोकली

बीन्स, ब्रोकली और दूध के उत्पाद का सेवन भी एक्सर्साइज करने से पहले नहीं करना चाहिए, नहीं तो पेट में गैस हो सकती है। भले ही ये चीजें हेल्दी हैं, लेकिन इन्हें बेली ब्लॉटिंग फूड्स की कैटिगरी में शामिल किया जाता है। इसीलिए वर्कआउट से पहले इन्हें न खाएं।

चेहरे से दाग-धब्बे हटाने का घरेलू और आसान तरीका

भले ही आपका रंग गोरा हो लेकिन चेहरे पर दाग-धब्बे आपका पूरा लुक बिगाड़ सकते हैं। खासतौर पर पिंपल्स और ऐक्ने के निशान के निशान लंबे वक्त तक नहीं जाते और आपका कॉन्फिडेंस लूज कर सकते हैं।

त्वचा पर ऑइल इकट्ठा होना या गंदगी पिंपल्स की सबसे बड़ी वजह है। इसके लिए स्किन की सफाई और हेल्दी डायट लेना जरूरी है। कई बार हॉर्मोनल चेंजज की वजह से भी यह समस्या हो जाती है। इन सब चीजों के लिए आपको डर्मेटॉलजिस्ट से मिल लेना चाहिए। वहीं अगर पिंपल्स के बाद चेहरे से निशान न जा रहे हों तो कुछ आसान तरीके अपना

सकती हैं। नारियल तेल बालों के साथ स्किन के लिए भी काफी अच्छा होता है। इसमें ऐंटी-बैक्टीरियल तत्व होते हैं जो कि स्किन की हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं। इसमें मौजूद ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स पुरानी स्किन सेल्स तेजी से रिप्लेस करते हैं, जिससे दाग-धब्बे कम हो जाते हैं। नारियल तेल अगर चेहरे पर लगाना है तो इसको असर दिखाने के लिए रातभर लगाकर छोड़ देना चाहिए। सुबह स्किन को धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए इसे हर रोज आजमाना चाहिए।आप चाहें तो नारियल तेल में नींबू की कुछ बूंदे भी मिला सकते हैं यह अच्छा ब्लीचिंग एजेंट होता है जो दाग-धब्बे कम करने में मदद करता है।

ऑयल पुलिंग का तरीका, फायदे और इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण

ऑयल पुलिंग एक पुराना आयुर्वेदिक उपचार है। इसमें तरह-तरह के तेलों का इस्तेमाल करके मुंह की समस्याओं का इलाज किया जाता है।

एक शोध के अनुसार, ऑयल पुलिंग की मदद से मुंह को टार्टर और प्लाक जैसी कई परेशानियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। यह मुंह की गहराई से सफाई करने में भी सहायक है। आइए आज इसका तरीका, फायदे और वैज्ञानिक कारण जानते हैं।

ऑयल पुलिंग करने का तरीका

सबसे पहले नारियल, तिल या जैतून का एक बड़ी चम्मच तेल मुंह में डालें और 15 से 20 मिनट के लिए इसे अपने मुंह में चारों ओर घुमाएं। ध्यान रखें कि इसे निगलना नहीं है। इसके बाद तेल को थूक दें। इसे वॉश बेसिन, सिंक या टॉयलेट में थूकने से बचें क्योंकि इससे क्लॉगिंग हो सकती है। अंत में कुछ भी खाने से पहले अपने मुंह को पानी से धो लें।

किसी विशेषज्ञ की निगरानी में ही ऑयल पुलिंग करें। इसके अतिरिक्त छोटे बच्चों को इससे दूर रखें। दरअसल, अगर ऑयल पुलिंग को गलत तरीके से किया जाता है तो यह यूस्टेशियन ट्यूब और कान के मध्यम भाग को चोट पहुंचा सकता है। ध्यान रखें कि ऑयल पुलिंग करते समय तेल को निगलना नही है क्योंकि इससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

ऑयल पुलिंग के पीछे का विज्ञान

ऑयल पुलिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले तेल एंटी-ऑक्सीडेंट्स से युक्त होते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद कर सकते हैं। ये तेल कोशिका झिल्लियों की लिपिड परत को खींच लेते हैं और उनमें सुधार करते हैं।

मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को कम करेगा तरीका

मुंह पोषण के साथ-साथ बैक्टीरिया का भी प्रवेश द्वार है। बता दें कि 700 से अधिक प्रकार के बैक्टीरिया होते हैं, जो मुंह को अपना घर बना सकते हैं और ऑयल पुलिंग का तरीका उन्हें कम करने में मदद कर सकता है। 75 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में ऑयल पुलिंग ने मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया को काफी कम कर दिया था।

मसूड़ों के स्वास्थ्य में कर सकता है सुधार

मुंह में मौजूद टॉक्सिन्स मसूड़ों से जुड़ी कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इससे मसूड़ों में सूजन होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। हालांकि, ऑयल पुलिंग प्रभावी रूप से आपको इस स्थिति से सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है। मसूड़ों की सूजन से पीड़ित 60 व्यक्तियों के साथ किए गए एक अध्ययन से पता चला कि 30 दिनों तक ऑयल पुलिंग करने से उनकी स्थिति में सुधार हुआ।

प्लाक और कैविटी से होता है बचाव

प्लाक और कैविटी बच्चों से लेकर बड़ो होने वालीं आम समस्याएं हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, ऑयल पुलिंग की प्रक्रिया इन दोनों स्थितियों का इलाज करने में मदद कर सकती है क्योंकि यह मुंह में मौजूद बैक्टीरिया को कम करती है। यह आपकी लार में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को उसी तरह कम कर सकती है, जिस तरह माउथवॉश करता है। (आरएनएस)

कई मेकअप उत्पादों का विकल्प बन सकता है कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन

अब तक आप कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन का इस्तेमाल कॉन्टैक्ट लेंस को सुरक्षित रखने के लिए करते आ रहे होंगे, लेकिन यह मेकअप की कई छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान भी बन सकता है। आप चाहें तो कई तरह के मेकअप उत्पादों के विकल्प के तौर पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आज कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन से जुड़े 5 बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

सूखे मस्कारे को करे ठीक

जब मस्कारा सूख जाता है तो कुछ लोग इसकी स्थिरता वापस पाने के लिए इसमें थोड़ा-सा बेबी ऑयल या पानी मिला देते हैं, लेकिन इससे एप्लिकेशन खराब हो सकता है। ऐसे में कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन का इस्तेमाल करना अच्छा हो सकता है। लाभ के लिए सूखे कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन की 5 बूंदों को मस्कारा की बोतल में डालें। अगर मस्कारा कुछ महीने पुराना और परतदार है तो कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन की लगभग 8 बूंदें मिलाना सही रहेगा।

आईशैडो को करें गहरा

अगर आपका आईशैडो हल्का है तो इसे गहरा करने के लिए भी आप कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आईशैडो ब्रश को कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन से गीला करें और फिर अपना पसंदीदा आईशैडो लें। ध्यान रखें कि ब्रश को सॉल्यूशन से बहुत अधिक गीला न करें। इससे आईशैडो आंखों से नीचे गिरने लगेगा। इसके बाद आईशैडो को बंद आंखों पर लगाएं। आप यहां बाजार में मौजूद आईशैडों के बारे में बेहतर तरीके से जान सकते हैं।

मेकअप साफ करने में भी है मददगार

अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो उसके विकल्प के तौर पर भी कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कॉटन पैड पर थोड़ा-सा कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन लें और फिर उससे मेकअप को हल्के हाथों से पोंछ सें। इससे आपका सारा मेकअप आसानी से हट जाएगा। यह न सिर्फ त्वचा की कोमलता से सफाई कर सकती है, बल्कि त्वचा को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने में भी कारगर है।

विभिन्न तरह का आईलाइनर बनाएं

अगर आप अपने क्लासिक ब्लैक आईलाइनर से ऊब चुके हैं तो विभिन्न रंग के आईलाइनर बनाकर उनका इस्तेमाल करें। इसके लिए आईलाइनर ब्रश को कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन से गीला करें और इसे अपने पसंदीदा आईशैडो शेड पर फेरें। जब आईशैडो शेड ब्रश से चिपक जाए तो इसे आईलिड पर आईलाइनर की तरह लगाएं। इस तरीके से आप बाजार में मौजूद कई तरह के आईलाइनर्स की तरह नए आईलाइनर बना सकते हैं।

आइब्रो को सेट करने में कर सकता है मदद

कई बार आइब्रो स्टाइल करने के बाद भी सही आकार में नहीं रहती हैं। ऐसे में आईब्रो पेंसिल से अपनी आइब्रो बनाने के बाद आइब्रो ब्रश को कॉन्टैक्ट लेंस सॉल्यूशन से गीला करके इसे अपनी आइब्रो पर धीरे से फेरें। यह आपकी आइब्रो को घना और प्राकृतिक रूप देगा और उन्हें लंबे समय तक सही आकार में रखने में मदद करेगा।

सीखने की ललक

यूनानी दार्शनिक प्लेटो के घर विद्वानों का आना-जाना लगा रहता था। जिज्ञासु लोग कुछ न कुछ नया विचार ग्रहण करने के लिए उनके पास आया करते थे। फिर भी प्लेटो स्वयं को कभी विद्वान नहीं मानते थे।

वह सदैव नया सोचते रहते थे और कभी-कभी तो छोटे बच्चों व नवयुवकों से कुछ सीखने के लिए उनसे घुल-मिल जाते थे। एक दिन उनके मित्र ने उनसे पूछा, 'आपके पास बहुत शिक्षित व विद्वान लोग अपने प्रश्न लेकर आते हैं, जिनका आप तार्किक उत्तर देकर समाधान भी बता देते हैं। किन्तु आपकी एक बात मेरी समझ में नहीं आती। आप स्वयं इतने बड़े दार्शनिक हैं, विश्व के प्रतिष्ठित तर्कशास्त्रियों में आपकी गणना होती है। फिर भी आप दूसरों से शिक्षा ग्रहण करने तथा कुछ नया सीखने के लिए सदैव उत्सुक रहते हैं। उससे भी बड़ी बात यह है कि आप बड़े या छोटे किसी से भी सीखने में कोई संकोच नहीं करते।

जब आप स्वयं दूसरों का मार्गदर्शन करते हैं फिर आपको सीखने की भला क्या आवश्यकता' प्लेटो हंसे, उन्होंने कहा-'मित्र प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ उत्तम वस्तु या गुण होता है जो अन्य के पास नहीं होता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति में दूसरे से सीखने की जिज्ञासा होनी चाहिए। जब व्यक्ति दूसरों से सीखने में संकोच व झिझक करेगा तो वह अच्छे ज्ञान से वंचित ही रहेगा।

प्लेटो की बात सुन उनका मित्र धन्य हो गया।'

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

समय से पहले सफेद बालों से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

बढ़ती उम्र के साथ बाल सफेद होना आम बात है, लेकिन आजकल कम उम्र में ही कई लोगों के बाल सफेद हो रहे हैं। बालों में मेलनिन नाम का पिग्मेंट पाया जाता है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम होने लगता है और बाल सफेद होने लगते हैं। अगर आप समय से पहले अपने बाल सफेद होने की समस्या से बचना चाहते है तो आइए आज हम आपको इसके लिए पांच तरीके बताते हैं।

आंवला है प्रभावी

एंटी-ऑक्सिडेंट से भरपूर आंवला का उपयोग बालों को सफेद होने से बचाने के लिए हेयर टॉनिक के रूप में किया जा सकता है क्योंकि यह न केवल बालों के विकास और मजबूती को बढ़ावा देता है बल्कि बालों के मेलनिन को भी बढ़ाता है। लाभ के लिए कुछ आंवलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें एक गिलास पानी में डालकर उबाल लें। अब मिश्रण को ठंडा होने करके इसे सिर पर लगाएं, फिर सिर को सामान्य तरीके से धो लें।

नारियल के तेल से करें सिर की मालिश

नारियल का तेल अपने मॉइस्चराइजिंग गुणों के कारण सफेद बालों को कम करने और इसे पोषण देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपने स्कैल्प और बालों पर वर्जिन नारियल का तेल लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें, फिर सिर को हल्के क्लींजर से धो लें। इसके बाद सिर पर कंडीशनर का भी इस्तेमाल करें। हफ्ते में 1-2 बार ऐसा करें।

एलोवेरा लगाएं

एलोवेरा में कैल्शियम, सेलेनियम, जिंक, और कॉपर जैसे खनिज होते हैं, जो बालों के मेलनिन को बढ़ाकर बालों को समय से पहले सफेद होने से बचा सकते हैं। लाभ के लिए एक कप ताजा एलोवेरा जेल लें और फिर इसे मेंहदी या कॉफी के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें। इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो सिर को पानी से धो लें।

करी पत्ता आएगा काम

करी पत्ते के अर्क में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक कप नारियल के तेल में 15-20 करी पत्ते डालकर उबालें और फिर जब तेल का रंग काला हो जाए तो गैस बंद कर दें। तेल को ठंडा करके इसे सिर पर लगाएं और 1 घंटे के बाद सिर को माइल्ड क्लींजर से साफ कर लें।

ब्लैक कॉफी का करें इस्तेमाल

ब्लैक कॉफी का इस्तेमाल भी बालों को समय से पहले सफेद होने से बचा सकता है। लाभ के लिए 2 से 3 कप पानी उबालें और एक दूसरे कप में 4 से 5 चम्मच कॉफी पाउडर को थोड़े से सादे पानी के साथ मिलाएं। अब कॉफी के मिश्रण को उबले हुए पानी में मिलाएं, फिर इसे ठंडा करके सिर पर लगाएं और 20-30 मिनट के बाद सिर को पानी से धो लें।

शब्द सामर्थ्य -084

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

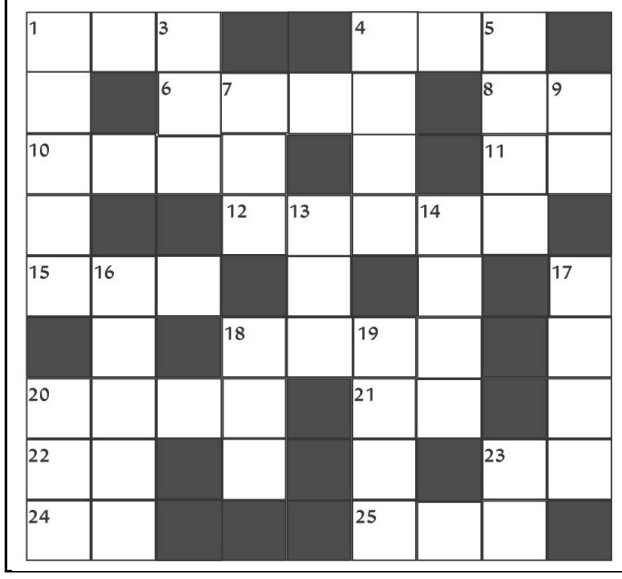

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 83 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

मेगा सीक्वल ईयर 2026, बॉर्डर 2 से दृश्यम 3 तक!

2025 अब खत्म होने जा रहा है और इस साल कई बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी। अब सबकी नजरें 2026 पर टिक गई हैं, जो एक बार फिर सिनेमाघरों में तूफान लेकर आने वाला है। आने वाले साल में कई बड़े सीक्वल और थ्रीक्वल रिलीज होंगे, जिनका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इनकी पहली फिल्मों ने ही दमदार कहानी, जबरदस्त किरदार और यादगार पलों के साथ लोगों के दिल जीत लिए थे। अब वही कहानियां नए लेवल पर, और ज्यादा इमोशन, एक्शन और सरप्राइज ट्विस्ट के साथ वापस आ रही हैं।

एक्शन से भरपूर बड़े शो-शॉक तक, दमदार थ्रिलर से लेकर रोमांचक पुलिस ड्रामा तक, कई मेगा फ्रेंचाइजी अब अपने अगले धमाकेदार चैप्टर्स के साथ वापसी के लिए तैयार हैं। 2026 में सिनेमाघरों पर पूरी तरह हावी होने वाली ब्लॉकबस्टर सीक्वल वेव कुछ ऐसी दिखने वाली है, बस सीट बेल्ट बांधकर इंतजार कीजिए।

बॉर्डर 1997 की देशभक्ति वाली वह फिल्म, जिसे आज भी लोग बहुत प्यार से याद करते हैं। अब उसी फिल्म का बहुत समय से इंतजार किया जा रहा दूसरा भाग बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। यह फिल्म अनुराग सिंह के निर्देशन में बनाई जा रही है। इसमें एक जबरदस्त कलाकारों की टीम होगी सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी, और सोनम बाजवा, मोना सिंह, मेधा राना भी खास किरदारों में दिखेंगी। फिल्म की रिलीज डेट 23 जनवरी 2026 तय हो चुकी है। यानी नए साल की शुरुआत ही देशभक्ति और जोश से भरने वाली है।

पहली फिल्म वध को मिली तारीफ के बाद अब संजय मिश्रा और नीना गुप्ता फिर से साथ वध 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म पिछली कहानी का सीधा हिस्सा नहीं है, बल्कि एक स्पिरिचुअल सीक्वल की तरह होगी, जिसमें नई कहानी और नए किरदार दिखाए जाएंगे। इस बार कहानी बदली हुई होगी, लेकिन जो भावनात्मक टोन पहली फिल्म में था, वही अहसास इसमें भी बरकरार रखा जाएगा। यानी डर, तनाव और इमोशन सब एक बार फिर दर्शकों को पकड़कर रखने वाले हैं। फिल्म को लव फिल्म्स ने प्रेजेंट किया है। इसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गर्ग इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। दर्शकों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि वध 2 बड़े पर्दे पर 6 फरवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है।

ब्लॉकबस्टर धमाल फ्रेंचाइजी का चौथा पार्ट एक बार फिर सिनेमाघरों में जबरदस्त कॉमेडी लेकर आने के लिए तैयार है। इस बार भी फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा, जावेद जाफ़री, संजिदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटक और रवि किशन जैसे जबरदस्त स्टारकास्ट है, जो अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर पेश किया है। यह टी-सीरीज फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरामा स्टूडियोज का प्रोडक्शन है, जिसे इंद्र कुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म को अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक प्रोड्यूस कर रहे हैं। धमाल 4 की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है, फिल्म इस बार ईद 2026 पर थिएटर्स में हंसी का धमाका करने आएगी।

रानी मुखर्जी एक बार फिर दमदार पुलिस अफसर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में मर्दानी 3 में वापसी करने जा रही हैं। अभिराज मिनावाला के निर्देशन में बनी यह फिल्म यश राज फिल्म्स के बैनर तले तैयार हो रही है। मर्दानी फ्रेंचाइजी आज भी हिंदी सिनेमा की सबसे सफल महिला-केंद्रित सीरीज मानी जाती है। इस बार कहानी में शिवानी का सामना अब तक के सबसे मुश्किल और खतरनाक केस से होने वाला है। दांव और भी बड़े हैं और उनकी जंग पहले से ज्यादा तीखी होने वाली है। फिल्म की रिलीज डेट भी तय हो चुकी है और 27 फरवरी 2026 को ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

धुरंधर की जोरदार सफलता के बाद, जो आज भी बॉक्स ऑफिस पर नए-नए रिकॉर्ड तोड़ रही है, अब टीम इसके सीक्वल के लिए पूरी तरह तैयार हो रही है। पहले पार्ट में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और आर। माधवन जैसे दमदार स्टार धमाल मचा रहे हैं। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस अगली कहानी यानी सीक्वल को 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना तय हो चुका है।

धमाकेदार दो भागों के बाद, मोहनलाल एक बार फिर जॉर्जकुट्टी के रूप में अपनी वापसी कर रहे हैं, उस फिल्म में जिसका इंतजार हर फैन बेसब्री से कर रहा है। दृश्यम 3। इस क्राइम थ्रिलर को जीथू जोसेफ ने डायरेक्ट किया है और इसकी शूटिंग हाल ही में पूरी हो चुकी है। अब फिल्म रिलीज की तैयारी में जोर-शोर से लगी हुई है। फ्रेंचाइजी के इस तीसरे चैप्टर को लेकर उम्मीदें पहले से ही बहुत ज्यादा है, क्योंकि दर्शक जानना चाहते हैं कि इस बार जॉर्जकुट्टी क्या नया खेल खेलने वाले हैं। फिल्म को मार्च 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना तय किया गया है और अब बस दर्शकों को इंतजार है उस दिन का, जब यह कहानी एक बार फिर सबको चौंका देगी।

2011 में रिलीज हुई हॉन्टेड 3डी में मिमोह चक्रवर्ती और टिया बाजपेयी मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। अप्रैल 2025 में हॉन्टेड 3डी के सीक्वल के प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने फिल्म के टाइटल हॉन्टेड 3डी- घोस्ट ऑफ पास्ट और रिलीज डेट का एलान किया था। फिल्म 26 सितंबर 2025 को रिलीज होनी थी और अब फिल्म जनवरी 2026 में रिलीज होने जा रही है। इमरान हाशमी और श्रेया सरन स्टारर फिल्म आवारापन 2007 में रिलीज हुई थी और 18 साल बाद इसके पार्ट 2 आवारापन 2 का एलान हुआ। इमरान हाशमी फिल्म में लीड एक्टर होंगे और नितिन कक्कर फिल्म का निर्देशन करेंगे। कहा जा रहा है कि इस बार इमरान हाशमी की एक्ट्रेस दिशा पटानी होंगी और फिल्म अप्रैल 2026 को रिलीज होगी।(आरएनएस)

डीपनेक शॉर्ट ड्रेस में मोनालिसा का ग्लैम अवतार!

भोजपुरी से टीवी तक अपनी पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें हसीना का बोल्ड और ग्लैमरस अवतार साफ नजर आ रहा है। पूल किनारे शॉर्ट ड्रेस में मोनालिसा का स्टाइलिश अंदाज लोगों को दीवाना बना रहा है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वे डीपनेक शॉर्ट प्रिंटेड ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। पूल के किनारे पोज देती एक्ट्रेस का यह अंदाज फैंस को दीवाना बना रहा है। उनके बोल्ड एक्सप्रेशंस और कातिलाना अदाओं ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

तस्वीरों में उनका लुक बेहद अट्रैक्टिव दिख रहा है। मोनालिसा का यह अवतार जितना स्टाइलिश है, उतना ही कॉन्फिडेंट भी, जिसे फैंस जमकर पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस पूल किनारे नीले पानी के बीच नीले कपड़ों में बला की खूबसूरत नजर आ रहीं हैं। एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस लुक को काफी सहज और खूबसूरत तरीके से कैरी किया है। उन्होंने हल्का सेटल मेकअप किया है, बालों में दो चोटी बनाई हैं और स्टाइलिश सनग्लासेज पहन रखे हैं। गोल ईयररिंग्स उनके पूरे लुक को और भी परफेक्ट बना रहे हैं। कैमरे के सामने पोज देते हुए मोनालिसा कभी मुस्कुराती दिखीं तो कभी चुलबुली अदा दिखाती नजर आईं। उनकी ये तस्वीरें देख फैंस तारीफों की झड़ी लगा रहे हैं। कई लोग उनकी फिटनेस और स्टाइल को लेकर भी कमेंट कर रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए मोनालिसा ने एक खूबसूरत कैप्शन भी लिखा- जीवन सागर की तरह है।।। यह शांत भी हो सकता है और उबड़-खाबड़ भी।।। लेकिन अंत में यह हमेशा सुंदर होता है।।। उनकी इस सोच और तस्वीरों का कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। फिलहाल, मोनालिसा एक नए टीवी शो की शूटिंग में बिजी हैं, जिसमें उनके साथ मशहूर टीवी एक्टर हितेन तेजवानी नजर आने वाले हैं। यह जोड़ी स्क्रीन पर देखने के लिए फैंस पहले से ही एक्साइटेड हैं। मोनालिसा की पॉपुलैरिटी लगातार बढ़ रही है। इंस्टाग्राम पर उनके 5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो उनकी हर पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी लेटेस्ट वायरल तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि मोनालिसा ग्लैमर और स्टाइल के मामले में हर बार कुछ नया और जबरदस्त लेकर आती हैं।

देसी लुक में कहर ढाती दिखीं अवनीत कौर

अवनीत कौर का नया देसी अवतार सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। टीवी से बॉलीवुड तक अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए मशहूर अवनीत ने इस बार अपने ट्रेडिशनल लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई उनकी लेटेस्ट तस्वीरें कुछ ही मिनटों में वायरल हो गईं।

अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह पीच कलर की खूबसूरत कढ़ाई वाली अनारकली पहने नजर आ रही हैं। जिसमें वो बेहद खूबसूरत और एलिगेंट दिख रही हैं।

इस आउटफिट के साथ अवनीत कौर ने मैचिंग दुपट्टा कैरी किया है, जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है। फैंस को उनका यह सिंपल लेकिन रॉयल अंदाज खूब भा रहा है। जिसपर फैंस की नजरें अटक गईं।

अपने इस ट्रेडिशनल लुक को पूरा करने के लिए अवनीत ने खुले कर्ली बाल, न्यूड ग्लोसी मेकअप और माथे पर लाल रंग की छोटी सी बिंदी लगाई है। उनकी ये बिंदी और स्माइल ने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। कमेंट सेक्शन में कई फैंस ने लिखा- ये लुक तो आग लगा रहा है!

तस्वीरों में अवनीत कभी कैमरे में देखते हुए मुस्कुराती दिखीं, तो कभी अपने दुपट्टे को संभालते हुए पोज देती नजर आईं। खास बात यह रही कि उनकी कातिल स्माइल ने इंटरनेट का टेंपरेचर तेजी से बढ़ा दिया। कुछ ही देर में फोटो पर हजारों लाइक्स बरस पड़े और कमेंट्स की झड़ी लग गई।

अवनीत की हर तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। किसी ने उनकी स्माइल को हार्ट स्टीलर बताया तो किसी ने लिख दिया- देसी गर्ल अवनीत, अनबीटेबल! उनकी पॉपुलैरिटी सोशल मीडिया पर लगातार बढ़ रही है और यह फोटोशूट इसका एक और प्रमाण बन गया है।

अवनीत के अगर काम की बात करें, तो एक्ट्रेस शांतनु महेशिवरी के साथ लव इन वियतनाम में काम करती दिखाई दी थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन अवनीत की एक्टिंग को दर्शकों ने से खूब प्यार मिला था।

फैंस को अवनीत कौर के अगले प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार हैं। बहरहाल, अवनीत कौर का यह देसी अवतार साबित करता है कि चाहे वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल, एक्ट्रेस हर लुक में दिल जीतना बखूबी जानती हैं। (आरएनएस)

कांग्रेस की समस्या और बढ़ेगी ?

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। यह उसकी एक बड़ी समस्या है। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है। कांग्रेस के आलाकमान के कमजोर होने की जो धारणा बनी है और सही धारणा बनी है, उसका कारण यह है कि कांग्रेस चुनाव नहीं जीत रही है। 2014 से पहले जब तक कांग्रेस चुनाव जीत रही थी, केंद्र में उसकी सरकार थी और एक दर्जन राज्यों में कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकार थी, तब तक जैसे भी थे राहुल गांधी बहुत मजबूत थे। वे अपने हिसाब से फैसले करते थे और किसी को भी नेता, मंत्री बना देने में सक्षम थे। लेकिन जब से चुनाव हारने का सिलसिला शुरू हुआ तब से उनकी शक्ति का ह्रास होता गया है और अब ऐसी स्थिति आ गई है कि पार्टी के क्षत्रप अपनी मनमानी कर रहे हैं। हालांकि इसमें कोई नई बात नहीं है। जब पार्टी के सर्वोच्च नेता का करिश्मा चूक जाए और वह चुनाव नहीं जीता सके तो उसकी ताकत कम होती ही है। लेकिन कांग्रेस की एकमात्र समस्या यह नहीं है कि चुनाव नहीं जिता पाने की वजह से कांग्रेस आलाकमान कमजोर हुआ है। यह उसकी कई समस्याओं में से एक समस्या है। ध्यान रहे भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादियों पार्टियों का लंबे समय तक चुनाव हारने का इतिहास रहा है। लेकिन उनके नेतृत्व को लेकर कभी उस तरह से सवाल नहीं उठे, जैसे कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व यानी राहुल गांधी को लेकर उठ रहे हैं। चुनाव हारने वाली पार्टियों के भविष्य पर वैसी चिंता भी नहीं हुई, जैसी कांग्रेस को लेकर हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि कांग्रेस में राजनीति करने वाले लोगों की कमी हो गई है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने या अखिलेश यादव से लेकर ममता बनर्जी जैसे प्रादेशिक क्षत्रपों ने राजनीति को 24 घंटे का काम बनाया है। राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है।

कह सकते हैं कि कांग्रेस की तमाम समस्याओं के मूल में यह कारण है कि उसके यहां राजनीति करने वाले लोग कम हो गए हैं। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि राहुल गांधी ने अपने आसपास बड़ी संख्या में अराजनीतिक लोगों को इकट्ठा कर लिया है। उनके सलाहकार, जिसे कोटरी कहते हैं, उसके सदस्य हों या उनकी ओर से राज्यों में नियुक्त किए गए नेता हों, उनमें बड़ी संख्या अराजनीतिक लोगों की है, जिनके साथ कांग्रेस के पुराने राजनीति करने वाले नेता तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। बिहार में प्रभारी महासचिव कृष्णा अल्लावरू के साथ यही हुआ तो झारखंड के प्रभारी के राजू और तेलंगाना की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के साथ भी यही हो रहा है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ यही समस्या है तो बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के साथ भी यही समस्या है। हिमाचल प्रदेश में नए प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार के साथ यही समस्या आने वाली है। सोचें, सोनिया गांधी के साथ अहमद पटेल, दिग्विजय सिंह, जनार्दन द्विवेदी, मोतीलाल वोरा, एके एंटनी जैसे राजनीति करने वाले लोग थे तो राहुल गांधी के साथ सचिन राव, अलंकार सवाई, मनोज त्यागी, कौशल विद्यार्थी, कृष्णा अल्लावरू, मीनाक्षी नटराजन, हर्षवर्धन सपकाल जैसे निजी सहयोगी या सलाहकार हैं! एक तरफ ऐसे अराजनीतिक लोग हैं तो दूसरी ओर हाइपर एक्टिव डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सचिन पायलट, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, रेवंत रेड्डी जैसे नेता हैं। इनका राहुल की टीम के साथ कैसे तालमेल बनेगा?

राहुल गांधी ने अपनी इनर टीम की पुरानी सदस्य मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बना कर भेजा है। उनके जाने पर कांग्रेस के नेता पहले तो बड़े खुश हुए लेकिन अब सब परेशान हैं। वे तेलंगाना में पदयात्रा कर रही हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनका काम रणनीति बनाने का होना चाहिए, राजनीति करने का नहीं। यह सही है कि वे गांधीवादी तरीके से काम कर रही हैं लेकिन इससे व्यावहारिक राजनीति प्रभावित हो रही है। जुबली हिल्स विधानसभा का उपचुनाव लड़ना था तो कांग्रेस ने जितनी तिकड़म की उससे नटराजन खुश नहीं थीं। सबको पता है कि दक्षिण के सभी राज्यों की राजनीति पैसे के दम पर चलती है। लेकिन मीनाक्षी नटराजन को प्रदेश कांग्रेस का बेहिसाब पैसा बहाना या अजहरूद्दीन को विधान परिषद में भेज कर मंत्री बनाना पसंद नहीं आया। इसी तरह बिहार में कृष्णा अल्लावरू कांग्रेस के वेतनभोगी कर्मचारी की तरह राजनीति करते रहे हैं। वे विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बिहार पहुंचे थे। ऐसे में उन्होंने कांग्रेस के तमाम पुराने नेताओं को साथ लेकर चुनावी राजनीति करनी थी तो उन्होंने उलटे पुराने नेताओं को न सिर्फ हाशिए में डाला, बल्कि उन सबको नाराज कर दिया। उसके बाद भी अगर वे बेहतर गठबंधन और सीट बंटवारा करा पाते तो मान लिया जाता कि वे अच्छे रणनीतिकार हैं। लेकिन गठबंधन और सीट बंटवारे दोनों में उन्होंने कांग्रेस का भट्ठा बैठा दिया।

एक समय था कि सोनिया गांधी के नजदीकी नेताओं और सलाहकारों की टीम के प्रति देश भर के कांग्रेस नेताओं के मन में सम्मान होता था। वे उनसे डरते भी थे। लेकिन अब राहुल गांधी की टीम मजाक का विषय है। उनकी एक जय जगत' टीम की चर्चा होती है, जिसके नेता सचिन राव बताए जाते हैं। इस टीम के नेता जाति, धर्म, धनबल, बाहुबल आदि से ऊपर उठ कर राजनीति करने के समर्थक बताए जाते हैं। अच्छी बात है। महात्मा गांधी साध्य की तरह साधन को भी पवित्र मानते थे। लेकिन क्या आज की राजनीति में ऐसा करना संभव और व्यावहारिक है? यह भी सवाल है कि राहुल गांधी जब 20 साल तक पुराने ढंग की राजनीति कर चुके तो अब गांधी मार्ग अपना कर क्या वे कांग्रेस का भला कर पाएंगे? बहरहाल, कांग्रेस के सामने भाजपा के साथ साथ 24 घंटे राजनीति करने वाले प्रादेशिक क्षत्रपों की भी चुनौती है। उनसे निपटने के लिए राहुल गांधी नए और अराजनीतिक लोगों की टीम बना रहे हैं। कह सकते हैं कि कई बार खास किस्म की राजनीति से उब जाने के बाद लोग दूसरा विकल्प पसंद करते हैं। लेकिन भारत में अभी वैसी राजनीति का समय नहीं आया है। दूसरी बात यह है कि धीरे धीरे कांग्रेस पार्टी में ऐसे नेताओं की कमी होती जा रही है, जो अखिल भारतीय राजनीति समझते हैं या देश के हर राज्य में एक राजनीतिक असर रखते हैं। उनकी जगह लेने के लिए दूसरी कतार के नेता जल्दी सामने नहीं आते हैं तो कांग्रेस की समस्या और बढ़ेगी।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी

रुपया गिरते- गिरते एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में 90 की मनोवैज्ञानिक संख्या को पार कर गया है। मुद्रा की गिरती कीमत के साथ विनिमय बाजार में देश में उत्पादित सामग्रियां सस्ती होती हैं। उनके परिणामस्वरूप श्रम एवं लागत सामग्री का मूल्य गिरता है। इस तरह यह कुल मिलाकर संबंधित देश में जीवन स्तर को नीचे ले जाता है। भारत के साथ अभी ये बात इसलिए अधिक गंभीर हो गई है, क्योंकि रुपये की कीमत उन अधिकांश देशों की मुद्राओं की तुलना में गिरती चली जा रही है, जिनसे भारत कारोबार करता है। बीते एक साल में ऐसी 40 मुद्राओं के बास्केट की तुलना में रुपया सस्ता हुआ है। सबसे ज्यादा- 15.4 प्रतिशत- कीमत यूरो की तुलना में गिरी है। अमेरिकी डॉलर की तुलना में ये गिरावट 6.1 फीसदी रही है। बताया गया है कि अक्टूबर में भारतीय निर्यात में 41 बिलियन डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट की खबर आने के बाद गिरावट की रफ्तार तेज हो गई। फ्लोटिंग श्रेणी में मुद्रा अपनी ताकत से अपना मूल्य बनाए रखती है। स्टैबलाइज्ड श्रेणी वह होती है, जिसमें सेंट्रल बैंक अपने हस्तक्षेप से रुपये की एक निश्चित कीमत बरकरार रखता है। जब सेंट्रल बैंक ऐसा करने की इच्छाशक्ति खो देता है, तो आईएमएफ मुद्रा को क्राउल-लाइक श्रेणी में रखता है। कुल मिलाकर मुद्रा का मूल्य अर्थव्यवस्था की मूलभूत शक्ति का आईना है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाएं बढ़ा रखी हैं। उसके परिणामस्वरूप चालू एवं पूंजी खातों की सूरत बिगड़ी है। उसकी झलक रुपये की कीमत में दिख रही है। कुल मिलाकर भारत के लिए बेहद मुश्किल घड़ी है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.084

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 83 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

प्रदेशों की राजधानियों में भोपाल अपना अलग स्थान रखता है

अजय दीक्षित

देश के उत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियों का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे शांत मप्र की राजधानी भोपाल ही एक ऐसा शहर है जो प्राकृतिक रूप से काफी सम्पन्न है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ,देश की राजधानी दिल्ली, बिहार की राजधानी पटना , राजस्थान की राजधानी जयपुर, गुजरात की राजधानी गांधीनगर, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई यहां तक कि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला से भी अधिक प्राकृतिक सौन्दर्य बिखरा हुआ है भोपाल में। भोपाल आजादी से पहले एक मुस्लिम प्रिंसली स्टेट थी और नबाब शासक हुआ करता था जिसमें अब के रायसेन, होशंगाबाद,आदि जिले भी थे । कहने को तो रियासत थी भोपाल मगर बहुत छोटी थी । आजादी के बाद बेगम सुल्तान अब जहांनुमा पैलेस से हुक्म चलाती थीं।भोपाल बड़े और छोटे तलाव के साथ 100 किलोमीटर रेडियस में जंगलों से घिरा था । इतिहास कार और मप्र के मुख्य सचिव रहे एम एन बुच ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी भोपाल में लिखा है कि भोपाल सतपुड़ा की पहाड़ियों से घिरा एक जंगल ही था जहां बहुत ज्यादा मात्रा में जंगली जानवर थे ।बांस, पाखर, बट,पीपल,का घना जंगल था ।

जब प्रथम प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने 1956 में मध्य प्रदेश राज्य बनाया तब राजधानी बनाने का प्रश्न उत्पन्न हुआ। चूंकि मध्यप्रदेश में विदर्भ, छत्तीसगढ़ ,मध्यभारत,भोपाल, महाकौशल, विंध्य प्रदेश का विलय हुआ था तो ग्वालियर सबसे बड़ी प्रिंसली स्टेट थी।महाराजा जीवाजी राव चाहते थे कि ग्वालियर राजधानी बने उधर इंदौर भी बड़ा शहर था। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने बात मानी पूर्व राष्ट्रपति और तत्कालीन मुख्यमंत्री भोपाल शंकर दयाल शर्मा की और भोपाल को राजधानी घोषित किया उसमें मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की भी सहमति थी ।जब विधानसभा भवन की समस्या आयी तो मिंटो हॉल का चयन किया गया था।

तत्कालीन समय में भोपाल रोशनपुरा तक ही था जिसमें पुलिस हेडक्वार्टर, मिंटो हॉल,भोपाल स्टेशन, बस स्टैंड, और पुराने भोपाल की बस्ती शामिल थी । आजादी के बाद भोपाल में एम जी एम मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद इंजीनियरिंग कॉलेज, हमीदिया होस्टिटल, न्यू मार्केट,बनी ,

1960 के दशक में भोपाल में राजधानी के हिसाब से बल्लभ भवन, मंत्रियों के आवास 74 बंगले,चार इमली में बंगले, माध्यमिक शिक्षा मंडल, और कई प्रतिष्ठानों का निर्माण कार्य किया गया।

अब भोपाल लगभग 20 किलो मीटर रेडियस में है। लेकिन अभी भी देश की पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को छोड़ दें तो भोपाल जैसा सकून, शांति, तापक्रम,बारिश,सफाई, पर्यावरण संरक्षण,कहीं नहीं है।अभी भी मात्र 18 लाख की जनसंख्या है। हालांकि भोपाल में भी बहुत निर्माण कार्य किया गया है। राजधानी क्षेत्र के चलते प्रत्येक विभाग के मुख्यालय, प्रशासनिक अकादमी,ट्रेनिंग सेंटर,नई विधानसभा, नया मंत्रालय, बनाए गए है लेकिन निर्माण कार्य की इजाजत देने वाली संस्थाओं ने पर्यावरण से समझौता नहीं किया है । नए भोपाल में सिविल सोसाइटी बनी है।

भोपाल ही एक ऐसा राजधानी क्षेत्र जहां राष्ट्रीय बन अभ्यारण्य भी है।भोपाल की सबसे बड़ी खूब सुरती बड़ा तलाव है जो शायद भारत वर्ष सबसे बड़ा है। केरवा बांध, भदभदा ,कलिया सोत बांध भी जल संरक्षण के है । पूरे भारत में राज्यों की राजधानियों में अगर श्री नगर, देहरादून,गांधीनगर ही महानगरों के माप दंडों में भोपाल जैसे है जिनमें देहरादून तो हिमालय की गोद में बसा है जबकि गांधीनगर गुजरात की राजधानी के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया है। श्रीनगर को बताते हैं कि भारत का स्विट्जरलैंड है, हिमालय में ही बसा है और वहां पर पर्यटन ही है एक भी औद्योगिक इकाई नहीं है। बस हिमालय में चीड़ और देवदार के वृक्ष ही है और घास के मैदान झेलम, चिनाव,जैसी नदियां है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो इस युग में भोपाल उत्तम राजधानी है। राजनीतिक दलों के छोटे बड़े कार्यालय है । लेकिन भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था है।अब तो मेट्रो भी निर्माणाधीन है और इस वर्ष के अंत में तो 2026 में आरंभ होगी ।

दून बार एसोसिएशन चुनावः तीन पदों के लिए 23 लोगों ने लिये नामांकन पत्र

संवाददाता

देहरादून। दून बार एसोसिएशन के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव की प्रक्रिया के प्रथम दिन नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। उल्लेखनीय है कि दून बार एसोसिएशन तीन पदों सचिव, उपाध्यक्ष व ऑडिटर पद के लिए चुनाव होना है। सचिव राजबीर बिष्ट और ऑडिटर ललित भंडारी ने बार काउंसलि चुनावों के मददेनजर इस्तीफा दे दिया था। जबकि महिला उपाध्यक्ष ने आंदोलन के बीच निजी कारणों के चलते त्यागपत्र दिया था। जिसके चलते तीनों पदों के लिए चुनाव होना है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल ने बताया कि चुनावों के लिए 24 दिसम्बर को नामांकन किये जाऐंगे। इसी दिन नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। अगले दिन 25 दिसम्बर को नाम वापसी और 12 जनवरी को चुनाव कराये जाएंगे। 13 जनवरी को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किये जाएंगे। आज चुनाव प्रक्रिया के प्रथम दिन नामांकन पत्रों बिक्री की गयी और समाचार लिखे जाने तक मुख्य चुनाव अधिकारी एलबी गुरूंग ने सम्पर्क करने पर बताया कि तीनों पदों के लिए कुल 23 लोग नामांकन पत्र लेकर गये हैं।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत

संवाददाता

देहरादून। ट्रक की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवती की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करनपुर निवासी सुभाष दुसेजा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी विशाली दुसेजा अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रही थी जब वह कारगी रोड निरंकारी भवन के सामने पहुंची तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उसकी स्कूटी पर टक्कर मार दी जिससे वह सडक पर गिर गयी और उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

पानी की मोटर व नल की टोटियां चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर से पानी की मोटर व नल की टोटियां चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इन्दिरानगर निवासी शेफाली कुमार ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उनके घर से पानी की मोटर व नल की टोटियां गायब थी।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार थाना पुलिस ने चाय बागान खण्डहर के पास व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम रमेश चन्द पुत्र महर सि ंह निवासी उमेद पुर बताया।

जयंती पर चौधरी चरण सिंह को किया याद

संवाददाता

देहरादून। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कचहरी परिसर में देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि एक किसान परिवार में पला बेटा देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा और देश के लिएं काम किया। चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों के हितों के लिए सदैव ही संघर्ष किया देश उनके योगदान को कभी भी नहीं भूल सकता। स्वर्गीय चरण सिंह जी को याद करने वालों में नेताजी संघर्ष समिति के आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, दानिश नूर, गुलाम मुस्तफा, इलियास कुरैशी, नितिन राठौड़, उत्तराखंड राष्ट्रीय पार्टी के नवनीत गोसाई, दिशा संस्था के सुशील विरमानी आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती पारस यादव आदि उपस्थित रहे।

अंकिता भण्डारी हत्याकाण्डः वीआईपी का..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

रूप में अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीवीआईपी का नाम उजागर किया है उससे इस हत्याकांड में एक नहीं सैकड़ों सवाल हैं जिनके जवाब भाजपा सरकार के मुखिया पुष्कर सिंह धामी और पुलिस महानिदेशक की ओर से अनुत्तरित हैं। पुलिस महानिदेशक को भाजपा के प्रवक्ता के रूप में तथा पुष्कर सिंह धामी को बलात्कारियों के संरक्षक के नहीं जनता के सेवक और संरक्षक के रूप में जवाब देने चाहिए। पुतला दहन करने वालों में प्रदेश महिला उपाध्यक्ष आशा मनोरमा शर्मा, महानगर अध्यक्ष उर्मिला ढौंडियाल थापा, महामंत्री पुष्पा पंवार, निधि नेगी, सुशीला शर्मा, देवेन्द्र कौर, दीपा चौहान, अनुराधा तिवाडी, भावना, नीरू सिंह, जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह, अनिता सकलानी, रुचि रौतेला, पिंकी गुसांई, अनीता, जस्सी, संतोष आदि महिला कांग्रेस पदाधिकारी शामिल थे।

ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित हुआ बहुउद्देशीय शिविर

मुख्यमंत्री ने सुनी जनसमस्याएं, दिए त्वरित समाधान के निर्देश

संवाददाता

अल्मोडा। विकासखण्ड ताडीखेत में न्याय पंचायत जैनोली में मुख्यमंत्री ने स्टाल पर बैठकर जनसमस्याएं सुनी और त्वरित समाधान के निर्देश दिये।

आज यहां प्रशासन गाँव की ओर अभियान के अंतर्गत विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत जैनोली में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिविर में लगाए गए सभी विभागों के स्टालों का एक-एक कर निरीक्षण किया तथा मुख्यसेवक के स्टाल पर बैठकर आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए प्राप्त शिकायतों पर एक-एक कर चर्चा की और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं आमजन को उनके द्वार पर उपलब्ध हों, ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से दौड़-भाग न करनी पड़े। अधिकारी स्वयं गांव में आकर जनता के कार्य करेंगे और उनकी परेशानियों का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी विभाग एक ही मंच पर जनता के द्वार पर उपस्थित हैं और आमजन को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जनता की सुविधा के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के दौरान पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज जैनोली के जर्जर भवन को लेकर प्राप्त शिकायत पर मुख्यमंत्री ने विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन गाँव की ओर अभियान शासन और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिससे जनसमस्याओं का समाधान त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल, जिलाधिकारी अंशुल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, जॉइंट मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एक्शन में

संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अतिक्रमण के खिलाफ एक्शन लेते हुए कहा कि सरकारी भूमि व परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं होगी।

आज यहां जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद की सरकारी भूमि एवं परिसंपत्तियों पर किए अतिक्रमण को हटाने एवं जनपद हरिद्वार को स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाने के लिए सफाई अभियान में और अधिक तेजी लाने के लिए संबंधित एशियाई के साथ डाम कोठी में की गई बैठक।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि सरकारी भूमि एवं परिसंपत्तियों पर किसी भी तरह से कोई अतिक्रमण न हो तथा किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि जनपद को स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाने के लिए चलाए जा रहे सफाई अभियान में सभी अधिकारी और तेजी लाए तथा अपने अपने क्षेत्रों में बेहतर ढंग से सफाई व्यवस्था पर और अधिक फोकस देने को कहा है ताकि जनपद को स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जा सके।

बैठक में जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश को निर्देश दिए है कि उनकी भूमि पर जो भी अतिक्रमण किया गया है,उस अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए,संबंधितों को नोटिस निर्गत करते हुए अतिक्रमण हटाने की त्वरित कार्यवाही करना सुनाश्चित करे,इसमें यदि प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता है तो अवगत कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सिंचाई विभाग हरिद्वार को भी निर्देश दिए है कि वह भी अपनी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक कार्यवाही तत्परता से करे एवं सभी क्षेत्रों में साफ सफाई करना भी सुनाश्चित करे, सफाई में किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए।

❑सरकारी भूमि एवं परिसंपत्तियों पर किसी भी दशा में न हो अतिक्रमण

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता एनएचएआई को निर्देश दिए है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क किनारे जो भी अतिक्रमण किया गया है,उसको चिन्हित करते हुए उसे तत्काल हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए,इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर साफ सफाई करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य नगर आयुक्त से कहा कि आगामी कुंभ मेले को सफलतापूर्व संपन्न कराने के लिए कचरा प्रबन्धन के उचित निस्तारण हेतु बेहतर कार्य योजना तैयार करने को कहा इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्रांतर्गत कही भी कूड़े के ढेर न हो उनके उचित निस्तारण की कार्यवाही त्वरित गति से की जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जनपद में चलाए जा रहे सफाई अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए सफाई अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित करे।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग को निर्देश दिए है कि उनके द्वारा जो भी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफाई का कार्य किए जा रहा है उसको बेहतर ढंग से किए जाए तथा शंकराचार्य चौक के आसपास सौंदर्यकरण करने के निर्देश दिए इसके साथ ही घाटों के किनारे किसी भी तरह से कोई अतिक्रमण न किया जाए।

बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम नंदन कुमार,उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर एनएचएआई संतोष साही, एसडीओ सिंचाई उत्तर प्रदेश भारत भूषण, सहायक अभियंता कृष्ण कुमार सैनी,सहायक अभियंता सिंचाई हरिद्वार विजय सिंह,उप राजस्व अधिकारी सिंचाई कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे।

डीएम ने परखी रैनबसेरों की व्यवस्था

●नगर निगम को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने नगर निगम के रैनबसेरा का स्थलीय निरीक्षण के दौरान रैनबसेरा में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल ने लालपुल स्थित नगर निगम के रैनबसेरा का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रैनबसेरा में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रैनबसेरा में प्रतिदिन ठहरने वाले निराश्रित व्यक्तियों की जानकारी ली, जिस पर बताया गया कि विगत एक सप्ताह से प्रतिदिन लगभग 15 से 19 निराश्रित लोग रैनबसेरा में रात्रि विश्राम कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने रैनबसेरा परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा रहने वाले व्यक्तियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शहर के सभी रैनबसेरों में शौचालय, पेयजल, प्रकाश, बिस्तर सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें एवं साफ-सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने शीतलहर के दृष्टिगत निर्देश दिए कि निराश्रित एवं बेसहारा व्यक्तियों को रैनबसेरों में सुरक्षित रूप से ठहराया जाए तथा शहर के चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि शीतकाल में निराश्रितों की सुरक्षा एवं सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इस संबंध में सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम नमामी बंसल, उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस पर हमला करने वाले 4 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। होटल में खाने के बिल को लेकर हुए विवाद के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रविवार को चौकी प्रभारी ज्योलिकोट उप निरीक्षक श्याम सिंह बोरा द्वारा ज्योलिकोट बैरियर में चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान होटल जिप्सी रेस्टोरेंट में पर्यटकों व होटल स्टाफ के मध्य विवाद होने की सूचना मिली। सूचना पर उप निरीक्षक श्याम सिंह बोहरा मय पुलिस टीम के जिप्सी रेस्टोरेंट पहुंचे। मौके पर जाकर देखा तो खाने के बिल को लेकर होटल संचालक तथा पर्यटकों के मध्य विवाद चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा विवाद को शांत करने का प्रयत्न किए जाने पर 4 लोगों द्वारा पुलिस को गाली गलौच तथा जान से मारने की धमकी दी गई, साथ ही जान से मारने की नियत से आधी भरी हुई पानी की बोतल (मिल्टन) से उप निरीक्षक श्याम सिंह बोरा के सिर पर 2 बार वार किया गया, तथा एक होमगार्ड के जवान को भी पीटकर घायल कर दिया गया। मामले में थानाध्यक्ष तल्लीताल मनोज नयाल द्वारा उक्त घटना से तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले में एसएसपी मंजूनाथ टी.सी. ने मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भेजकर हमलावरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिस पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर हमला करने वाले चारों व्यक्तियों दीप चंद्र पुत्र पूरन चंद्र निवासी मल्ला मटेला थाना देघाट अल्मोड़ा, मनोज पुत्र पूरन चंद्र निवासी मल्ला मटेला थाना देघाट अल्मोड़ा, त्रिभुवन शर्मा पुत्र पूरन शर्मा निवासी मल्ला मटेला थाना देघाट अल्मोड़ा व प्रवीण चन्द मंसत पुत्र पूरन चन्द मंसत ग्राम खस्ता थाना सल्ट को गिरफ्तार किया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तमंचा व कारतूसों सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने एक तमंचा, दो कारतूस व एक खोखा कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना सिडकुल पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस श्री राम महाकाल प्रॉपर्टीज सीमेंट गोदाम के पीछे पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा, दो कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम सन्नी पुत्र प्रेम कुमार निवासी पुंडरी खुर्द नांगल बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल पता रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

दो मोबाइल झपटमार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल छीनने वाले दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से छीना गया मोबाइल बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शिवम वर्मा पुत्र संतोष कुमार निवासी पन्थी

●छीना गया मोबाइल बरामद

सेरामऊ दक्षिणी सदर बाजार जिला शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश हाल पता रोशनाबाद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार ने थाना सिडकुल में तहरीर देकर बताया गया था कि बीते 5 नवम्बर को कालागेट रोशनाबाद सिडकुल के पास से दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों द्वारा उसका मोबाइल छीन लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मोबाइल लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीती रात एक सूचना के आधार पर महिंद्रा ग्राउंड के किनारे झाड़ियो के पास से दो संदिग्धों को दबोच कर छीना गया मोबाइल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मोहम्मद फैज पुत्र शरीफ निवासी ग्राम बड़ागांव थाना पुवायां जिला शाहजहांपुर हाल किराएदार रोशनाबाद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार व तोहिद पुत्र सुल्तान निवासी रोशनाबाद निकट झंडा चौक थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम हरीश रावत रिपोर्ट कराने नेहरु कालोनी थाने पहुंचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपने घोषित कार्यक्रम के तहत उनके विरुद्ध भाजपा के आफिशियल हैन्डल द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने थाना नेहरु कालोनी ठीक 12:30 बजे पहुंचे। अपनी रिपोर्ट मे उन्होंने कहा कि वे उत्तराखण्ड़ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री है व उनकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से आथ्अर्फिशयल इंटेलीजेन्स से एक वीडियो भाजपा की आफिशियल वैबसाईट से प्रसाररित व प्रचाररित किया जा रहा है जिसमे हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के बारे मे आपत्तिजनक शब्द व चित्र प्रकाशित व प्रसाररित किए गए है। जिससे दोनो समुदाए के लोगो मे असंतोष आसामजस्य व्याप्त हो रहा है व उपरोक्त वीडियो के प्रसारण व प्रकाशन से दोनो समुदाओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाण कर उनकी आस्था पर भी प्रहार किया जा रहा है।

उन्होने कहा कि उनके संज्ञान मे बीते 18 दिसम्बर को आया कि उपरोक्त दुर्भावना से प्रेरित गलत नियत से उनकी छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से उपरोक्त वीडियो भाजपा के आधिकारिक पेज जिसे उत्तराखण्ड़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व उनके सहयोगी संचालित करते है के द्वारा गैर कानूनी रुप से किया गया है। इससे हिन्दु-मुस्लिम की आस्था को ठेस पहुॅचाने के साथ-साथ भारत की संप्रभुता, एकता व अखंण्ड़ता को भी खतरे मे ड़ालने का प्रयास एआई तकनीक करके प्रयोग करके झूठी रील वीडियो पोस्ट की गई है। उन्होने कहा कि दुर्भावना, समाज मे विदवेश वर्ग धर्म, धार्मिक विश्वासों का अपमान करके धार्मिक भावनाओं को भड़काने के उद्देश्य से प्रचारित प्रसाररित उपरोक्त एआई जनरेटेड़ वीडियों आपत्तिजनक, अवैध कानून के विरुद्ध चित्ररित कर मुझे राष्ट्रद्रोही दर्शाने का कु-प्रयास किया गया है। उपरोक्त कृत्य से मुझको गहरा आघात लगा है उपरोक्त वीडियों से मेरा कोई सम्बन्ध नही है उपरोक्त निक्रष्ट कार्य से धार्मिक भावनाओ को भड़काने वाले वीडियो को संचालित-प्रचारित-प्रसारित व बनाने वाले के विरुद्ध उचित धाराओं मे रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की गई है। इस अवसर पर सैकड़ो लोगो की भीड़ भी थाने पहुॅच गई जिसमे महिलाए, युवा, कांग्रेसजन, छात्रजन सहित विधायक ममता राकेश, रवि बहादुर, फुरकान अहमद, अनुपमा रावत, महिला प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला आदि भी उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।